भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2221

सोमवार, 05 अगस्त, 2024/14 श्रावण, 1946 (शक)

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा नौकरियों के सृजन के संबंध में अध्ययन

2221. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

श्री वसंतराव बलवंतराव चव्हाण:

श्री सुधीर गुप्ता:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कया भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 2014 से 2023 की अवधि के दौरान देश में सृजित नौकरियों की संख्या के बारे में हाल ही में कोई अध्ययन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उक्त अध्ययन के निष्कर्ष क्या हैं;

(ग) क्या एसबीआई के आर्थिक अनुसंधान विभाग ने भी विनिर्माण, सेवा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 2014-23 के दौरान सृजित नौकरियों के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर एक रिपोर्ट बनाई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उक्त अवधि के दौरान प्रति वर्ष सृजित नौकरियों की औसत संख्या कितनी है; और

(ड) कया सरकार ने चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25 तथा अगले तीन वर्षों के लिए रोजगार सृजन का कोई लक्ष्य रखा है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करंदलाजे)

(क) से (ङ): भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अनुसंधान इकोरैप, 10 जुलाई, 2024 के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दशकीय रोजगार संख्या के अनुसार 2014-2023 के दौरान भारत ने 12.5 करोड़ नौकरियां सृजित की हैं जबकि 2004-2014 के दौरान यह संख्या केवल 2.9 करोड़ थी। कृषि को छोड़कर, विनिर्माण और सेवाओं में सृजित नौकरियों की कुल संख्या 2014-2023 के दौरान 8.9 करोड़ है जबकि 2004-2014 के दौरान 6.6 करोड़ थी।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने बजट 2024-25 में 2 लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय परिव्यय के साथ 5 वर्ष की अवधि में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए 5 योजनाओं और उपायों के प्रधान मंत्री पैकेज की घोषणा की है।

*****